रजिस्ट्री सं० डी- 222

REGISTERED NO. D-222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 16, 1968 (फाल्गुन 26, 1889)

No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 16, 1968 (PHALGUNA 26, 1889)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस

NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1968 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 28th February 1968 :—

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subjects
37.	No. P. N. (Benelux Countries Licensing) 1, of 1968.	Min. of Commerce.	Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to Benelux (Belgium, Netherlands and Luxembourg) countries during the licensing year, 1968.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

विषय सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	245	भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . .	285

	पृष्ठ
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	203
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	489
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	1527
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	83
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ-लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	205
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	95
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	35
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिन में अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	99
भाग IV —गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	49
पूरक संख्या 11—	
9 मार्च 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	411
17 फरवरी 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	423

	Page
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders and Resolution issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	245
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	285
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	203
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministries of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	489
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	1527
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	83
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	205
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	95
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	35
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	99
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	49
SUPPLEMENT No. 11—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 9th March 1968	411
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 17th February 1968	423

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1968

सं० 15-प्रेज/68—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री तारे, जमादार,
1ली बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस
निमच।

श्री हरनाम सिंह,
नायक सं० 210,
1ली बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस,
नीमच। **(स्वर्गीय)**

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

अगस्त, 1967 में केन्द्रीय आरक्षित पुलिस की पहली बटालियन के दो दस्तों को 250 उपद्रवियों से निबटने के लिए तैनात किया गया जिनके मनिपुर राज्य के उखरुल सब डिवीजन में पाओयी गांव के नजदीक होने की सूचना मिली थी। अगली प्लाटून जिसकी कमान जमादार तारे कर रहे थे पहाड़ियों से घिरी हुई पगडंडी पर भारी गोलीबारी की जद में आ गई। जवाबी गोलीबारी की गई और इस कार्यवाही के परिणाम स्वरूप उपद्रवियों ने पाओयी की ओर हटना शुरू कर दिया जहां उन्होंने तीन शिविर बना रखे थे। केन्द्रीय आरक्षित पुलिस के दस्तों ने आगे बढ़ना जारी रखा। जब एक प्लाटून अपने लक्ष्य के नजदीक पहुंच गई तो नायक हरनाम सिंह के निचले जबड़े पर उपद्रवियों की एक गोली लगी। अपनी चोट की परवाह न कर उसने अपने जवानों को शिविरों पर अन्तिम धावा बोलने के लिए उत्तेजित किया। परिणामतः शिविरों का सफाया कर दिया गया और उपद्रवी पास के जंगलों में भाग गये। उपद्रवी गिरोह के कुछ सदस्य पकड़ लिए गये और उपयोगी जानकारी के कागजात हाथ लगे। नायक हरनाम सिंह को उखरुल अस्पताल में ले जाया गया जहां अगले दिन उसकी मृत्यु हो गई। उक्त कार्यवाही में जमादार तारे उपद्रवियों द्वारा की जा रही भारी गोलाबारी के बावजूद अपनी प्लाटून को आगे ले गया। इस कार्यवाही में बराबर खतरे की परवाह न कर जमादार तब तक आगे बढ़ता रहा जबतक उसने शिविरों पर सफल आक्रमण कर उन पर काबू न पा लिया उसने वीरता एवं उच्चस्तर की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का उल्लेखनीय नेतृत्व किया। नायक हरनाम सिंह अपनी चोटों के कारण असमर्थ होने के बावजूद अपने जवानों से साथ तबतक मुठभेड़ में भाग लेता रहा जब तक कि सफलता न मिल गई।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 16 अगस्त, 1967 से दिया जायेगा।

सं० 16-प्रेज/68—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश विशेष सशस्त्र दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री भगत सिंह,
हैड कांस्टेबल सं० 406,
8वीं बटालियन, विशेष सशस्त्र दल,
छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश। **(स्वर्गीय)**

श्री राम स्वरूप,
कांस्टेबल सं० 266,
8वीं बटालियन, विशेष सशस्त्र दल,
छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश। **(स्वर्गीय)**

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

10 दिसम्बर, 1966 को जिला मुरैना के अम्बा पुलिस स्टेशन पर सूचना मिली कि डाकू माधोसिंह बहुत से अपहृत व्यक्तियों के साथ कुम्हारपुर गांव की तंग घाटियों में छिपा है। निकट के पुलिस स्टेशनों के पुलिस दल एकत्रित किये गये और उन्हें पांच अनुभागों में बांट दिया गया। इनमें दो अनुभागों का कार्य गिरोह को रोकना तथा शेष अनुभागों को गिरोह को रोक लगाये गई जगहों तक खदेड़ने का था। गिरोह पुलिस दल की गतिविधि से सतर्क हो गया और रूहर गांव की ओर अग्रसर होने लगा। किन्तु जब उन्होंने देखा कि पुलिस उस क्षेत्र को भी घेरे हुए है तो उससे निकलने की उन्होंने निराश चेष्टा की। जहां हैड कांस्टेबल भगत सिंह एक अनुभाग का नेतृत्व कर रहा था उस स्थान के नजदीक पहुंचने पर डाकूओं ने गोलियों की बौछार शुरू कर दी और इस छोटे अनुभाग को आड़ में जाने के लिए बाध्य कर दिया एवं अपहृत व्यक्तियों के साथ बच निकलने की चेष्ठा की किन्तु बायीं ओर से बढ़ रहे पुलिस के एक दूसरे अनुभाग ने डाकुओं को घबराहट में डाल दिया। डाकूओं के मुखिया ने चिल्लाकर अपने आदमियों को जहां कहीं भी हो सके बच निकलने के लिए कहा। पुलिस और डाकूओं के बीच बाद में जबरदस्त मुठभेड़ हुई। जब हैड कांस्टेबल भगत सिंह डाकूओं के बच निकलने को रोकने के लिये अपने अनुभाग

के साथ बढ़ रहा था तो उसे एक गोली लगी जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई। जब डाकूओं ने तंग रास्ते से बचकर भागने का प्रयत्न किया तो कांस्टेबल राम स्वरूप खतरे की परवाह न कर आगे बढ़ा और दबक कर खड़े होकर गोली चलाता रहा जब कि गहन घाटियों में दृष्टिगोचरता कम थी और गिरोह को अधिक दायीं ओर जाने को बाध्य किया। ऐसा करते हुए वह घातक रूप से जख्मी हो गया किन्तु अन्तिम सांस तक गोली चलाता रहा और गिरोह को पृथक होने के लिए बाध्य कर दिया। डाकू बिलकुल निराश हो गये और उनमें से कुछ बचकर निकल भागने के प्रयत्न में चम्बल नदी में कूद पड़े। इस मुठभेड़ में छः डाकूओं को गोली से उड़ा दिया गया।

हैड कांस्टेबल भगत सिंह एवं कांस्टेबल राम स्वरूप ने अपने कर्त्तव्य के निर्वाह में अपने प्राणों को बहादुरी से बलिदान कर दिया और साहस एवं सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

2. ये पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 10 दिसम्बर, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 17-प्रेज/68—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री महीपाल सिंह,
पुलिस उप-निरीक्षक,
स्टेशन अधिकारी, अम्बा,
मुरैना जिला, मध्य प्रदेश।
श्री भगवान सिंह,
हैड कांस्टेबल सं० 158,
8वीं बटालियन, विशेष सशस्त्र दल,
छिदवाडा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

10 दिसम्बर, 1966 को सूचना मिली कि डाकू माधोसिंह का गिरोह बहुत से अपहृत व्यक्तियों के साथ कुम्हारपुर गांव की घाटियों में छिपा हुआ है। श्री महीपाल सिंह ने नजदीक के पुलिस स्टेशनों से बहुत शीघ्रता से पुलिस टुकड़ियां तथा विशेष सशस्त्र दल एकत्रित किये और यह भली प्रकार जानते हुए कि मुठभेड़ का क्षेत्र गहरी घाटियों से भरा है तथा डाकू स्वचालित हथियारों से लैस हैं, चतुरता से सारी कार्रवाई की योजना बनाई। जब डाकूओं को पुलिस की गतिविधि का पता चला तो उन्होंने रूहर गांव को जाना शुरू कर दिया। किन्तु जब उन्हें यह मालूम हुआ कि पुलिस उस क्षेत्र को भी घेरे हुए हैं तो उन्होंने वहां से भाग निकलने की निष्फल चेष्टा की। एक पुलिस टुकड़ी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी जिसे आड़ में जाने के लिए बाध्य होना पड़ा। स्थिति की गम्भीरता का अनुभव करते हुए श्री महीपाल सिंह उस टुकड़ी को, गोलीबारी की जद में आई हुई टुकड़ी के बायीं ओर लाया, जिसका कि वह नेतृत्व कर रहा था और इस प्रकार डाकूओं को हैरानी में डाल दिया। डाकूओं के मुखिया ने चिल्ला कर अपने आदमियों को कहा कि वे जैसे और जिस ओर से भी हो, बच निकलें,। इसके बाद डाकूओं और पुलिस के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई जिसके दौरान श्री भगत सिंह को जो एक टुकड़ी का नेतृत्व कर रहा था, एक गोली लगी और उसकी मृत्यु हो गई। हैड कांस्टेबल भगवान सिंह ने टुकड़ी की कमान संभाल ली और डाकूओं का पीछा करने लगा। डाकू बिल्कुल हताश हो गये और उनमें से कुछ बच कर भाग निकलने की कोशिश में चम्बल नदी में कूद गये।

उप-निरीक्षक महीपाल सिंह ने कार्रवाई की योजना बनाने में असाधारण नेतृत्व और उसे कार्यान्वित करने में साहस का परिचय दिया। हैड कांस्टेबल भगवान सिंह ने इस मुठभेड़ में साहस एवं कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 10 दिसम्बर, 1966 से दिया जायेगा।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

शुद्धिपत्र

सं० 18/प्रेज/68-शुद्धिपत्र—शुक्रवार, दिनांक 26 जनवरी, 1968 के असाधारण भारतीय राजपत्र के भाग 1, अनुभाग 1 में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 10-प्रेज-68 दिनांक 26 जनवरी, 1968 में शुद्ध करने हेतु :—

पद्म श्री के अन्तर्गत

वास्ते "श्रीमती अख्तरी बाई फ़ैज़ाबादी (बेगम अख्तर), संगीतज्ञा, उत्तर प्रदेश।"

पढ़ें "बेगम अख्तर, संगीतज्ञा, उत्तर प्रदेश।"

वास्ते "डा० जी० नरसिंहन, सामाजिक कार्यकर्ता, मद्रास।"

पढ़ें "डा० एस० नरसिंहन, सामाजिक कार्यकर्ता, मद्रास।"

व० जे० मोर
राष्ट्रपति के उप सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1968

संकल्प

सं० 1-5/67-भूमि संरक्षण—भारत सरकार ने उस केन्द्रीय भूमि संरक्षण बोर्ड की कार्यप्रणाली का पुनर्विलोकन किया है जिसका गठन भारत सरकार के खाद्य तथा कृषि मन्त्रालय (कृषि विभाग) के संकल्प संख्या 21-12 (1)/53-भूमि संरक्षण, दिनांक 16 दिसम्बर/1953 के अन्तर्गत किया गया था और जिसके सदस्य केवल सरकारी अधिकारी ही थे तथा जो सलाहकार समिति के तौर पर ही कार्य कर रहा था। भारत सरकार इस परिणाम पर पहुंची है कि नीति निर्धारण के विषय में सलाह देने वाली हाल ही में गठित हुई उच्च स्तरीय समितियों की मौजूदगी में भूमि संरक्षण के लिए एक अलग बोर्ड बनाए रखने से कोई लाभ नहीं है। अतः भारत सरकार ने इस बोर्ड को तुरन्त ही समाप्त कर देने का निर्णय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि भारत सरकार के समस्त मन्त्रालयों और विभागों समस्त राज्य सरकारों, संघ क्षेत्रों, योजना आयोग, मंत्रीमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय तथा केन्द्रीय भूमि संरक्षण बोर्ड के समस्त सदस्यों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी हेतु भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

शरण सिंह, संयुक्त सचिव

श्रम, नियोजन और पुनर्वास मंत्रालय
नियोजन और प्रशिक्षण महानिदेशालय
(श्रम और नियोजन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1968

सं० ई०ई० I-3/15/67—भारत सरकार, श्रम और नियोजन मन्त्रालय के संकल्प संख्या ई० पी० ई०ई०-81 (1) 58 दिनांक 13 अक्टुबर, 1958 के सिलसिले में केन्द्रीय सरकार ने निश्चित किया है कि दिल्ली प्रशासन के प्रतिनिधि को भी केन्द्रीय नियोजन समिति के सदस्य के रूप में शामिल कर लिया जाए।

सं० ई०ई० I-3/15/67—भारत सरकार श्रम नियोजन और पुनर्वास मन्त्रालय, श्रम और नियोजन विभाग (नियोजन और प्रशिक्षण महानिदेशालय) की अधिसूचना संख्या ई०ई० I-3/15/66 दिनांक 26 सितम्बर, 1966, कालान्तर में हुए संशोधन के अनुसार के सिलसिले में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा मौजूदा सदस्यों के अतिरिक्त, एक प्रतिनिधि हिमाचल प्रदेश शासन (उद्योग विभाग) का और एक प्रतिनिधि दिल्ली प्रशासन (नियोजन, प्रशिक्षण और तकनीकी विभाग) का केन्द्रीय नियोजन समिति के लिए नियुक्त करती है।

केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निदेश देती है कि, उल्लिखित अधिनियम में नीचे लिखे संशोधन भी किए जाएंगे; यथा :

क्रम संख्या 17 और 18 के सामने दी गई पूर्तियां नीचे लिखे अनुसार प्रतिस्थापित की जाएंगी :—

17. श्री शिव चन्द्रिका प्रसाद
(संसद सदस्य, लोक सभा)

18. श्री पी० सी० आदिच्चन
(संसद सदस्य, लोक सभा)

ग० जगन्नाथ, अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 5th March 1968

No. 15-Pres./68.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police :—

Names of the officers and ranks

Shri Tare, Jemadar,
Ist Battalion,
Central Reserve Police,
Neemuch.

Shri Harnam Singh,
Naik No. 210,
Ist Battalion,
Central Reserve Police,
Neemuch.

(*Deceased*)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

In August 1967 two columns of the 1st Battalion, Central Reserve Police were deputed to deal with 250 hostiles who were reported in the vicinity of village Paoyi, Ukhrul Sub-Division of Manipur State. The leading platoon commanded by Jemadar Tare came under heavy fire from a hill feature dominating the track. The fire was returned and as a result of this action the hostiles started withdrawing towards Paoyi where they built three camps. The Central Reserve Police columns continued their advance. When one platoon had nearly reached its objective Naik Harnam Singh was hit in the lower jaw by a bullet from the hostiles. Without caring for his injury he urged his men to launch the final assault on the camps. The camps were ultimately overrun and the hostiles fled into the neighbouring jungles. A number of members of the hostile gang were captured and documents containing useful information were seized. Naik Harnam Singh was removed to Ukhrul Hospital where he expired on the following day.

In the above action Jemadar Tare led his platoon forward despite heavy firing from the hostiles. Undaunted by the risk he was facing all along, the Jemadar continued his advance until the camps were successfully attacked and seized. He showed gallantry and devotion to duty of a high order and provided exemplary leadership to his subordinates. Naik Harnam Singh although he was disabled by his injuries continued to take part in the encounter along with his men until success was achieved.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 16th August, 1967.

No. 16-Pres./68.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police :—

Names of the officers and ranks

Shri Bhagat Singh,
Head Constable No. 406,
8th Battalion,
Special Armed Force,
Chhindwara,
Madhya Pradesh.

(*Deceased*)

Shri Ram Swaroop,
Constable No. 266,
8th Battalion,
Special Armed Force,
Chhindwara,
Madhya Pradesh.

(*Deceased*)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 10-12-1966, information was received at the Police Station Ambah, District Morena, that the dacoit Madhosingh was in the ravines of village Kumharpura with a large number of kidnapped persons. The Police force of the nearby Police Stations was collected and divided into five sections, two sections to act as stops and the remaining three sections to drive the gang to the stops. The gang became aware of the movements of the Police force and started heading towards village Ruhar. But when they found the Police were covering that area also they made a desperate effort to break out. Reaching near a point where Head Constable Bhagat Singh was leading a section, the dacoits opened a volley of fire and forced this small section to take cover and attempted to escape along with the kidnapped persons. But another section of Police advancing from the left took

the dacoits by surprise. The dacoit leader shouted to his men to escape wherever they could. A fierce encounter ensued between the dacoits and the Police. While moving his section to prevent the dacoits from breaking out Head Constable Bhagat Singh was hit by a bullet resulting in his death. When the dacoits tried to escape through a narrow gap, Constable Ram Swaroop unmindful of the danger forged ahead and stood crouching and firing though the visibility was poor in the dense ravines and managed to drive the gang further to the right. In doing so he was mortally wounded by a bullet but he continued firing till the last and forced the gang to disintegrate. The dacoits became completely desperate and some of them jumped into the Chambal river in a bid to escape. In this encounter, six dacoits were shot dead.

Head Constable Bhagat Singh and Constable Ram Swaroop gallantly sacrificed their lives in the execution of their duty and set an example of courage and service.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 10th Decembe, 1966.

No. 17-Pres/68.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh.
Police :—

Names of the officers and ranks

Shri Mahipal Singh,
Sub-Inspector of Police,
Station Officer, Ambah,
District Morena,
Madhya Pradesh.
Shri Bhagwan Singh,
Head Constable No. 158,
8th Battalion,
Special Armed Force,
Chhindwara.

Statement of services for which the decordtion has been awarded.

On 10th December 1966, information was received that the gang of dacoit Madhosingh was hiding in the ravines of village Kumharpura with a large number of kidnapped persons. Shri Mahipal Singh very promptly collected the forces of the nearby Police Stations and the Special Armed Force and planned a tactically perfect action knowing fully well that the area of encounter was full of deep revines and dacoits were armed with automatic weapons. When the dacoits became aware of the movement of the police, they started heading towards village Ruhar. But when they found the police were covering that area also, they made desperate effort to break out, opening heavy fire on one police party which was forced to take cover. Realising the gravity of the situation, Shri Mahipal Singh brought the party he was leading to the left of the party that was under fire and took the dacoits by surprise. The dacoit leader shouted to his men to escape wherever they could. A fierce encounter ensued between the dacoits and the police during which Shri Bhagat Singh, who was leading a section, was hit by a bullet and killed. Head Constable Bhagwan Singh took over command of the section and started following the dacoits. The dacoits became completely desperate and some of them jumped into the Chambal river in a bid to escape.

Sub-Inspector Mahipal Singh displayed outstanding leadership in planning the operation and courage in carrying it out. Head Constable Bhagwan Singh displayed courage and devotion to duty in this encounter.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 10th December 1966.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President.

New Delhi, the 7th March 1968

No. 18-Pres./68.-Corrigendum.—In this Secretariat's notification No.10-Pres./68, dated the 26th January, 1968, published in the Gazette of India Extraordinary Part 1, Section 1, on Friday, the 26th January, 1968 :—

Under PADMA SHRI

For "Shrimati Akhtari Bai Faizabadi (Begum Akhtar), Musician, Uttar Pradesh."

Read "Begum Akhtar, Musician, Uttar Pradesh."

For "Dr. G. Narasimhan, Social Worker Madras."

Read "Dr. S. Narasimhan, Social Worker, Madras."

V. J. MOORE, Dy. Secy. to the President.

MINISTRY OF COMMERCE

RESOLUTION

The 4th March 1968

No. F. 14(9)*Plant(A)*/66.—With a view to ensuring that the Pathini Tea Estate, which has been purchased by the Government of India and which is continued to be managed on their behalf by M/s Octavius Steel & Co. Ltd., Calcutta, is run on proper lines, the Government of India have decided to reconstitute the Advisory Board set up in this Ministry's Resolution No. 14(9)Plant (A)/66 dated the 30th March, 1966, to advise Government on all matters relating to the management and operation of the Tea Estate.

2. The reconstituted Board shall consist of the following Members :—

Chairman

(i) Shri A. K. Roy, Chairman, Tea Board, 14, Barbourne Road, Calcutta-1.

Members

(ii) Shri Sumat Prashad, 5 & 7, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(iii) Shri R. Mahadevan, Deputy Secretary to the Government of India, Ministry of Finance, New Delhi,

(iv) Shri B. Krishnamurthy, Under Secretary to the Government of India, Ministry of Commerce, New Delhi.

Member-Convenor

(v) Shri W. H. G. Baird, Managing Director, M/s Octavius Steel & Co. Ltd., 14, Old Court House Street, Calcutta.

3. The Managing Agents, M/s Octavius Steel & Co., Ltd., Calcutta, will place all policy matters relating to the management of the Estate before the Board who will consider such matters and advise Government thereon.

4. The Board shall be constituted for a period upto 31st January, 1969 and will normally meet at Calcutta.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. BANERJEE, Dy. Secy.

MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING & URBAN DEVELOPMENT

(Deptt. of Family Planning)

New Delhi, the 28th February 1968

No. 4-7/67-*C&C(FP)*.—With a view to advising Govt. of India on ways and means for extensive and effective participation in the family planning programme by the voluntary organisations and social workers, it has been decided to constitute an advisory committe for Social Workers and Voluntary Organisations for the Family Planning Programme.

2. The composition of the committee shall be as follows :—

Chairman

1. Minister of State for Health, Family Planning & Urban Development.

Vice-Chairman

2. Deputy Minister for Health, Family Planning & Urban Development.

Members

3. Shri Ganpat Sahai, M.P.
4. Smt. Vimla Punjab Deshmukh, M.P.
5. Smt. Mohinder Kaur, M.P.
6. Smt. Sharda Mukerji, M.P.
7. Smt. Ashoke Gupta.
8. Smt. Leela Damodar Menon.
9. Smt. Vishalakshi Narayanswami.
10. Smt. D. C. Kothari.
11. Smt. Padmini Raghvan.
12. Smt. Haja Shareef.
13. Smt. N. L. Ahmed.
14. Smt. Zainab Begum.
15. Miss Kamila Tyabji.
16. Dr. Vatsala Samant.
17. Smt. Prem Lata Gupta.
18. Smt. K. Kuppuswamy.
19. Secretary, Ministry of Health, Family Planning & Urban Development.
20. Financial Adviser, Ministry of Health, Family Planning & Urban Development.
21. Adviser, Public Cooperation Division, Planning Commission.
22. Begum Ali Zaheer, Chairman, Central Social Welfare Board.
23. Health & Sanitation Adviser, Central Bharat Sewak Samaj.
24. Representative of Bhartiya Gramin Mahila Sangh.
25. Representative of Andhra Mahila Sabha, Madras.
26. Secretary-General, Indian Red Cross Society, New Delhi.
27. President, All India Women's Conference.
28. President, National Council of Women in India.
29. General Secretary, Indian Council of Child Welfare.
30. Honorary General Secretary, Indian Conference of Social Work, Bombay.

Member-Secretary

31. Commissioner, Family Planning, Ministry of Health, Family Planning & Urban Development.

3. The terms of reference of the Committee will be to advise the Government of India on ways and means for extensive and effective participation in the Family Planning Programme by voluntary organisations and social workers.

4. This shall be a standing committee and its life will be two years.

5. Non-Official Members of the Committee shall be entitled to grant of travelling and daily allowance for attending the meetings of the Committee as admissible to an officer of the highest grade in Class I of the Central Services, Members of the Committee who are Government servants will draw travelling and daily allowance as admissible to them from the same source from which their salary is drawn.

6. The expenditure involved is to be met from within the sanctioned budget grant under Major Head 30-B Public Health B.5 Miscellaneous B.5(4) Expenditure on Family Planning B.5(4)(2) Other Expenditure under Demand No. 30-Medical and Public Health for the years 1967-68 and 1968-69.

ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to all the State Governments/Union Territories.

ORDERED further that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

K. N. SRIVASTAVA, Jt. Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

RESOLUTIONS

New Delhi, the 28th February 1968

No. 1-5/67-Soil Cons.—The Government of India have reviewed the working of the Central Soil Conservation Board, originally constituted *vide* Government of India, Ministry of Food and Agriculture (Agriculture) Resolution No. F.21-12(1)/53-Soil Cons., dated the 16th December, 1953 consisting of officials only and functioning in an advisory capacity, and have come to the conclusion that in view of other high-level Committees constituted recently to advise on all policy matters, no useful purpose will be served by continuing a separate Board for Soil Conservation. Accordingly, the Government of India have decided to wind up the Board with immediate effect.

ORDER

ORDERED that copy of this Resolution be forwarded to all the Ministries and the Departments of the Government of India, all the State Governments and Union Territories Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Sectt., President's Secretariat, and all Members of the Central Soil Conservation Board.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India, for general information.

The 5th March 1968

No. 4-15/68-*Lands.*—The Land Acquisition Review Committee appointed by the Government of India, *vide* Resolution No. 6-6/67-Genl. II, dated the 27th July, 1967 of the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Agriculture) for examining the entire framework of the Land Acquisition Act, 1894 in the context of a rapidly developing economy, was required to submit its report by the 31st March, 1968. The Government of India has now decided to extend the date for submission of the Report by the Committee upto 31st July, 1968.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be forwarded to the Chairman and Members of the Committee, all Ministries/Deptts. of the Govt. of India, the Prime Minister's Secretariat, the President's Sectt., Planning Commission, Cabinet Sectt., Comptroller and Auditor General of India, Revenue Secretaries in all States and Union Territories, all Attached and Subordinate Offices of the Department of Agriculture, the Lok Sabha Sectt., the Rajya Sabha Sectt., Parliament Library (5 copies) and all State Governments and Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SARAN SINGH, Jt. Secy.

(Department of Cooperation)

New Delhi, the 29th February 1968

No. 1-5/66-GOP (Suppl. List 14).—In continuation of this Department Notification No. 1-5/66-GOP (Suppl. List 13) dated the 24th Nov., '67 the following wholesale Cooperative Store is added to schedule of Cooperative Societies published alongwith the Notification No. 1-25/65-CC dated 27th May 1966 regarding Guarantee Scheme for Consumer Cooperatives :—

1. The Jammu Cooperative Wholesale Store Ltd., Jammu, Tawi.

V. V. NATHAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

(Directorate General of Employment and Training)

RESOLUTION

New Delhi, the 6th March 1968

No. EEI-3/15/67.—In continuation of the Government of India, Ministry of Labour and Employment Resolution No. EP/EE-81(1)/58 dated the 13th October 1958, the Central

Government have decided that a representative of the Delhi Aministration shall also be included as a member of the Central Committee on Employment.

No. EEI-3/15/67.—In continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Department of Labour and Employment (Directorate General of Employment and Training) No. EEI-3/15/66 dated the 26th September, 1966, as subsequently amended, the Central Government hereby appoints, in addition to the existing members, a representative of the Government of Himachal Pradesh (Department of Industries) and a representative of the Delhi Administration (Department of Employment, Training & Technical Education) to serve on the Central Committee on Employment.

The Central Government hereby directs that the following amendments shall also be made in the said notification, namely :

For entries against Nos. 17 and 18, the following shall be substituted, namely :—

"17. Shri Shiva Chandika Prasad, M.P. (Lok Sabha).
18. Shri P. C. Adichan, M.P. (Lok Sabha)".

G. JAGANNATHAN, Under Secy.